भोर और बरखा

प्र.१) रिक्त स्थानोंकी पूर्ति करें।

अ) जागो बंसीवारे ललना।

आ) रजनी बीती, भोर भयो है, घर-घर खुले किंवारे।

इ) ग्वाल-बाल सब करत कुलाहल, जय-जय सबद उचारे।

ई) मीरा के प्रभु गिरधर नागर, सरण आयाँ को तारे।।

उ) सावन की मन-भावन की।।

ऊ) नन्हीं नन्हीं बूँदन मेहा बरसे, शीतल पवन सुहावन की।

ए) मीरा के प्रभु गिरधर नागर! आनंद-मंगल गावन की।।

प्र.२) तुकांत शब्द लिखें।

अ) सुर- नर

आ) दवारे- झनकारे

इ) ग्वाल- बाल

ई) उमड़- घुमड़

उ) भावन- सावन

ऊ) आवन- लावन

ए) बरसे- तरसे

ऐ) उचारे- तारे

प्र.३) शब्दोंके अर्थ लिखें।

अ) ललना - सुंदर नारी

आ) रजनी - रात्र

इ) भोर - सुबह

ई) कुलाहल - शोर

उ) बदरिया - छोटा बादल का टुकड़ा

ऊ) रखवारे - रखवाले

ए) चहुँदिस - चारो तरफ से

ऐ सुहावन - देखने में सुंदर

ओ) मेहा - मेघा

औ) सरण - शरण

प्र.४) दिए गए शब्दोंसे वाक्य बनाएँ।

अ) सुर - गवैया सुर में गा रहा था।

आ) माखन - रोटी - माखन और रोटी का स्वाद अच्छा होता है।

इ) सावन - सावन का मौसम सभी को अच्छा लगता है।

ई) शीतल - गरमी में ठंडा पानी पिने से मन को शीतलता

महसूस होती है।

5) आनंद - बच्चे छोटी - छोटी बातोंमें अपना आनंद ढुँढ लेते है।

6) गिरधर - कृष्ण का दुसरा नाम गिरधर है।

7) दही - मुझे दही बहुत पसंद है।

प्र.4) एक - एक वाक्य में उत्तर लिखें।

अ) भोर और बरखा यह कविता किसने लिखी है?
भोर और बरखा यह कविता मिरा बाई ने लिखी है।

आ) कविता में कहा का दृश्य दिखाया गया है?
कविता में बृजमंडल के सुबह का दृश्य दिखाया गया है।

इ) कृष्ण को कौन जगा रहा है?
कृष्ण को उसकी मैया यशोदा जगा रही है।

ई) सब ग्वाले कहा जा रहे है?
सब ग्वाले गैया मतलब गायोंको चराने ले जा रहे है।